19-2-1972

स्वदेश

पारस्परिक सहयोग से भारत और बंगला देश आत्मनिर्भर और सशक्त होंगे

—आलोक मेहता—

भारत ने पुनः एक नई चुनौती को स्वीकार करके यह संकल्प किया है कि हम यथाशीघ्र आत्मनिर्भर ही नहीं होंगे, बल्कि विदेशी सहायता के बगैर ही बंगला देश को भी आत्मनिर्भर एवं सुदृढ़ करने में सहयोग देंगे। पी. एल. ४८० के अन्तर्गत अनाज के आयात पर रोक लगाकर प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने अपनी योजना को क्रियान्वित करने का महत्वपूर्ण और साहसिक कदम उठाया है। इससे अमरीकी प्रशासन की यह धारणा कि भारत बिना उसकी खाद्यान्न सहायता के जीवित नहीं रह सकता, झूठी साबित हो गई है। [illegible]

[illegible]

क्षमता और सम्भावनाएं

[illegible]

बंगला देश के अन्य उत्पादन

[illegible]

Printed by BoltPDF (c) NCH Software. Free for non-commercial use only.